https://www.kuonline.in

Roll No. ..... Total Pages : 4

**MDE/M-20** **6985**

जयशंकर प्रसाद

Hi-110/Paper-X

Opt. (ii )

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) संध्या हो चली है। विहंग कुल कोमल कलरव करते हुए अपने-अपने नीड़ की ओर लौटने लगे हैं। अंधकार अपना आगमन सूचित करता हुआ वृक्षों की ऊँची टहनियों के कोमल किसलयों को धुंधले रंग का बना रहा है। पर सूर्य की अन्तिम किरणें अभी अपना स्थान नहीं छोड़ना चाहती हैं। वे हवा के झोंकों से हटाई जाने पर भी अंधकार के अधिकार का विरोध करती हुई सूर्य देव की ऊँगलियों की तरह हिल रही है।

(ख) उस क्षुद्र कुटीर में पहुँचने पर एक स्त्री मोहनलाल को दिखाई पड़ी, जिसकी अंगप्रभा स्वर्णतुल्य थी, तेजोमय मुखमण्डल तय ईषत् उन्नत अधर अभिमान से भरे हुए थे, अवस्था उसकी 50 वर्ष से अधिक थी। मोहनलाल की आंतरिक अवस्था जो ग्राम्य जीवन देखने को कुछ बदल चुकी थी, उस सरल गम्भीर तेजोमय मूर्ति को देख और भी सरल विनय युक्त हो गयी। उसने झुककर प्रणाम किया। स्त्री ने आशीर्वाद दिया और पूछा- बेटा, कहाँ से आते हो?

https://www.kuonline.in

(ग) प्रभात का मलय-मारुत उस अर्बुद-गिरि के कानन में वैसी क्रीड़ा नहीं कर रहा है, जैसे पहले करता था। दिवाकर की किरण भी कुछ प्रभात के मिस से मंद और मलिन हो रही है। एक शव के समीप एक पुरुष खड़ा है और उसकी आँखों से अश्रुधारा बह रही है और वह कह रहा है- बलवन्त! ऐसी शीघ्रता क्या थी, जो तुमने ऐसा किया? वह अर्बुद-गिरि का प्रदेश तो कुछ समय में यह बुद्ध तुम्हीं को देता।

(घ) ज्ञान के वर्गीकरण में पूर्व और पश्चिम का सांस्कृतिक रुचि भेद विलक्षण है। प्रचलित शिक्षा के कारण आज हमारी चिंतनधारा के विकास में पाश्चात्य प्रभाव ओतप्रोत है, और इसलिए हम बाध्य हो रहे हैं और अपने ज्ञान सम्बन्धी प्रतीकों को उसी दृष्टि से देखने के लिए। यह कहा जा सकता है कि इस प्रकार के विवेचन में हम केवल निरुपाय होकर ही प्रवृत्त नहीं होते, किन्तु विचार विनिमय के नए साधनों की उपस्थिति के कारण संसार की विचारधारा से कोई भी अपने को अछूता नहीं रख सकता।

(ङ) सूफी सम्प्रदाय मुसलमानी धर्म के भीतर वह विचारधारा है जो अरब और सिंध का परस्पर सम्पर्क होने के बाद से उत्पन्न हुई थी। यद्यपि सूफी धर्म का पूर्ण विकास तो पिछले काल में आर्यों की बस्ती ईरान में हुआ, फिर भी उसके सब आचार इस्लाम के ही अनुसार हैं। उनके तौहीद में चुनाव हैं।

(च) वर्तमानकाल में सौंदर्यबोध की दृष्टि से यह वर्गीकरण अपना अलग विचार-विस्तार करने लगा है। इसके आविर्भावक हेगेल के अनुसार कला के ऊपर धर्मशास्त्र का और उससे भी



https://www.kuonline.in

https://www.kuonline.in

ऊपर दर्शन का स्थान है। इस विचारधारा का सिद्धांत है कि मानव सौंदर्य बोध के द्वारा ईश्वर की सत्ता का अनुभव करता है। फिर धर्मशास्त्र के द्वारा उसकी अभिव्यक्ति लाभ करता है। फिर शुद्ध तर्क से उससे एकीभूत होता है। (3×7=21)

2. (क) 'रस' निबन्ध का अपने शब्दों में विवेचन कीजिए। **अथवा** 'काव्य और कला' शीर्षक निबन्ध पर एक लेख लिखिए।

(ख) 'गुलाम' कहानी का उद्देश्य व्यक्त कीजिए। **अथवा** 'तानसेन' कहानी की मूल संवेदना व्यक्त कीजिए।

(ग) 'कंकाल' उपन्यास की संवेदना पर लेख लिखिए। **अथवा** प्रसाद की उपन्यास कला के विकास पर प्रकाश डालिए। (3×12=36)

3. निम्नलिखित लघूत्तरी प्रश्नों में से **पाँच** का उत्तर दीजिए:

(क) 'चन्दा' कहानी का कथासार।

(ख) 'रहस्यवाद' निबन्ध का परिचय।

(ग) 'शरणागत' कहानी की मूल संवेदना।

(घ) 'नाटकों में रस का प्रयोग' शीर्षक निबन्ध।

(ङ) 'कंकाल' उपन्यास का सार।

(च) प्रसाद की निबन्ध-कला।

(छ) प्रसाद की कहानी की भावभूमि।

(ज) प्रसाद की कहानी-कला का विकास।

(झ) 'कंकाल' उपन्यास का देशकाल।

(ञ) 'कंकाल' उपन्यास का कथोपकथन। (3×5=15)

https://www.kuonline.in

4. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) शाहआलम किस कहानी का पात्र है?

(ख) 'चितौड़ उद्धार' कहानी में मैं विधवा हूँ, सात वर्ष की अवस्था में, सुना है कि मेरा ब्याह हुआ- यह किसका कथन है?

(ग) संसार की शांतिमय करने के लिए रजनीदेवी ने अभी अपना अधिकार पूर्णतः नहीं प्राप्त किया है- यह किस कहानी की पंक्ति है?

(घ) 'कंकाल' उपन्यास के नायक कौन हैं?

(ङ) 'कंकाल' उपन्यास कब प्रकाशित हुआ?

(च) प्रसाद के पाठ्यक्रम में लगे उपन्यास के अतिरिक्त उपन्यास का नाम लिखिए।

(छ) काव्य में आत्मा की संकल्पात्मक मूल अनुभूति की मुख्यधारा रहस्यवाद है- यह पंक्ति किस निबन्ध की है?

(ज) मनु को कहना पड़ा- 'यस्तर्केणानुसंधत्ते स धर्म वेदनेतरः।' किस निबन्ध में लिखा है? (8×1=8)